दिल्ली पब्लिक स्कूल, जम्मू

सत्र (2021 – 2022)

आधार पत्रिका

कक्षा- नवमीं

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

वर्तमान युग कंप्यूटर युग है| यदि भारतवर्ष पर नज़र दौड़ाकर देखें तो हम पाएँगे कि जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में कंप्यूटर का प्रवेश हो गया है| बैंक, रेलवे-स्टेशन, हवाई-अड्डे, डाक खाने, बड़े-बड़े उद्योग-कारखाने व्यवसाय हिसाब-किताब, रुपये गिनने तक की मशीनें कंप्यूटरीकृत हो गई हैं| अब भी यह कंप्यूटर का प्रारंभिक प्रयोग है| आने वाला समय इसके विस्तृत फैलाव का संकेत दे रहा है| प्रश्न उठता है कि क्या कंप्यूटर आज की ज़रूरत है? इसका उत्तर है- कंप्यूटर जीवन की मूलभूत अनिवार्य वस्तु तो नहीं है, किन्तु इसके बिना आज की दुनिया अधूरी जान पड़ती है| सांसारिक गतिविधियों, परिवहन और संचार उपकरणों आदि का ऐसा विस्तार हो गया है कि उन्हें सुचारु रूप से चलाना अत्यंत कठिन होता जा रहा है|

पहले मनुष्य जीवन-भर में अगर सौ लोगों के संपर्क में आता था तो आज वह दो-हज़ार लोगों के संपर्क में आता है| पहले दिन में पाँच-दस लोगों से मिलता था तो आज पचास-सौ लोगों से मिलता है| पहले वह दिन में काम करता था तो आज रातें भी व्यस्त रहती हैं| आज व्यक्ति के संपर्क बढ़ रहे हैं, व्यापार बढ़ रहे हैं, गतिविधियाँ बढ़ रही हैं, आकांक्षाएँ बढ़ रही हैं, साधन बढ़ रहे हैं| इस अनियंत्रित गति को सुव्यवस्था देने की समस्या आज की प्रमुख समस्या है| कहते हैं आवश्यकता आविष्कार की जननी है| इस आवश्यकता ने अपने अनुसार निदान ढूँढ लिया है|

कंप्यूटर एक ऐसी स्वचालित प्रणाली है जो कैसी भी अव्यवस्था को व्यवस्था में बदल सकती है| हड़बड़ी में होने वाली मानवीय भूलों के लिए कंप्यूटर राम बाण औषधि है| क्रिकेट के मैदान में अंपायर की निर्णायक भमिका हो या लाखों-करोड़ों की लंबी-लंबी गणनाएँ कंप्यटर पलक झपकते

ही आपकी समस्या हल कर सकता है| पहले इन कामों को करने वाले कर्मचारी हड़बड़ाकर काम करते थे, एक भूल से घबराकर और अधिक गड़बड़ी करते थे| परिणामस्वरूप काम कम, तनाव अधिक होता था| अब कंप्यूटर की सहायता से काफी सुविधा हो गई है|

(1)	वर्तमान युग कंप्यूटर का युग क्यों है? I. कंप्यूटर के बिना जीवन की कल्पना असंभव सी हो गयी है। II. कंप्यूटर ने पूरे विश्व के लोगों को जोड़ दिया है। III. कंप्यूटर जीवन की अनिवार्य मूलभूत वस्तु बन गया है। IV. कंप्यूटर मानव सभ्यता के सभी अंगों का अभिन्न अवयव बन चुका है।
(2)	गद्यांश के अनुसार कंप्यूटर के महत्त्व के विषय में कौन-सा विकल्प **सही** है:- I. कंप्यूटर काम के तनाव को समाप्त करने का उपाय है। II. कंप्यूटर कई मानवीय भूलों को निर्णायक रूप से सुधार देता है। III. कंप्यूटर के आने से सारी हड़बड़ाहट दूर हो गई है। IV. मानव की सारी समस्याओं का हल कंप्यूटर से संभव है।
(3)	गद्यांश के अनुसार किस आवश्यकता ने कंप्यूटर में अपना निदान ढूँढ लिया है? I. अनियंत्रित कर्मचारियों को अनुशासित करने की। II. अनियंत्रित गति को सुव्यवस्था देने की। III. अधिक से अधिक लोगों से जुड़ जन- जागरण लाने की। IV. अधिक से अधिक कार्य कभी भी व कहीं भी करने की।
(4)	कंप्यूटर के प्रयोग से पहले अधिक तनाव क्यों होता था? I. लंबी-लंबी गणनाएँ करनी पड़ती थीं। II. ग़लतियों के डर से कर्मचारी घबराए रहते थे। III. क्रिकेट मैचों में गलत निर्णय का ख़तरा रहता था। IV. मानवीय भूलों के कारण बड़ी दुर्घटनायें होती थीं।
(5)	कंप्यूटर के बिना आज की दुनिया अधूरी है क्योंकि- I. सारी व्यवस्था, उपकरण और मशीनें कंप्यूटरीकृत हैं। II. कंप्यूटर ही मानव एकीकरण का आधार है। III. कंप्यूटर ने सारी प्रक्रियायें आसान बना दी हैं। IV. कंप्यूटर द्वारा मानव सभ्यता अधिक समर्थ हो गयी है।